Registered According to Act XXV of 1867.

रतनहजारा ।

रसनिधि कृत ।

जिसको

श्रीमन्महाराजाधिराज प्रमरबंशावतंस
छत्रपुराधिप श्रीमहाराजा साहब
श्रीराजाविश्वनाथसिंहजूदेव बहादुर
की आज्ञानुसार
श्री बाबू जगन्नाथप्रसाद कायस्थ श्रीवा-
स्तव हेड अकौण्टण्ट वा सरदफ्तर माल
राज छतरपूर (बुन्देलखण्ड)
ने
बड़े परिश्रम से टिप्पन वा शोध करके
तयार किया ।

काशी ।
भारतजीवन प्रेस में मुद्रित हुआ ।

सन् १८९२ ई० ।

प्रथम बार १०००]   [मूल्य ।)